DAILY CURRENT AFFAIRS

Result Mitra

28 MARCH 2025

THE HINDU

The Indian EXPRESS

Hindustan Times

दैनिक जागरण

जनसत्ता

UPSC(IAS/PCS) AND ALL COMPITETIVE EXAM

PIB

THE HINDU

The Indian EXPRESS
JOURNALISM OF COURAGE

ABHAY SIR

Events in News

- नौ फसलों पर निर्भर है दुनिया का आधे से अधिक फसल उत्पादन
- भारत में ज्वारीय ऊर्जा उत्पादन
- इमिग्रेशन और फॉरेनर्स बिल 2025
- एबेल पुरस्कार 2025
- जेलों में जाति के अनुसार काम देना

Result Mitra
नौ फसलों पर निर्भर है दुनिया

नौ फसलों पर निर्भर है दुनिया

Daily Current News

Result Mitra

प्रश्न 1: खाद्य और कृषि संगठन (FAO) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:
1. FAO संयुक्त राष्ट्र (UN) की एक विशेष एजेंसी है।
2. इसका मुख्यालय रोम, इटली में स्थित है।
3. FAO का प्रमुख उद्देश्य वैश्विक खाद्य सुरक्षा और कुपोषण को दूर करना है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) 1, 2 और 3

नौ फसलों पर निर्भर है दुनिया

Result Mitra

1. ग्लोबल कृषि उत्पादन – दुनिया की 6,000 से अधिक फसल प्रजातियों में से केवल 9 फसलें वैश्विक कृषि उत्पादन का 60% प्रदान करती हैं:

- गन्ना, मक्का, धान, गेहूं, आलू, सोयाबीन, ताड़, चुकंदर और कसावा

2. विविधता संकट –

- वैश्विक स्तर पर 6% फसली विविधता खतरे में।
- 18 में से आधे क्षेत्रों में 18% या अधिक जैव विविधता का नुकसान।

3. प्रभावित क्षेत्र –

- सबसे अधिक खतरा: दक्षिणी अफ्रीका, कैरिबियन, पश्चिमी एशिया
- सबसे कम खतरा: दक्षिणी एशिया, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड

नौ फसलों पर निर्भर है दुनिया

Result Mitra

भारत में स्थिति –

कृषि-पारिस्थितिक क्षेत्रों में 50% फसली किस्में और स्थानीय प्रजातियां संकट में

- बीज बैंक और संरक्षण में सुधार, लेकिन अभी भी चुनौतियां बनी हुई हैं

रिपोर्ट के निष्कर्ष –

- 2011-2022: 51 देशों में 3.5 करोड़ हेक्टेयर भूमि पर स्थानीय प्रजातियां बोई गईं।
- 42% पौधों की प्रजातियां या किस्में विलुप्ति के खतरे में।
- कई देशों में फसली संरक्षण के लिए राजनीतिक और वित्तीय समर्थन अपर्याप्त।

6. भारत में संरक्षण प्रयास –

- 2016 की बीज हब परियोजना ने दाल उत्पादन में वृद्धि की।
- 2007-08: 1.48 करोड़ टन → 2020-21: 2.44 करोड़ टन

7. जलवायु परिवर्तन का प्रभाव –

- चरम मौसमी घटनाएं बढ़ रहीं, फसलों की विविधता प्रभावित।
- आपदाओं के बाद बीजों की गुणवत्ता व अनुकूलता सुनिश्चित करना चुनौती।

संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन (FAO) –

- **परिचय:**
- संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन (FAO - Food and Agriculture Organization) एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है, जो वैश्विक खाद्य सुरक्षा, कृषि विकास और कुपोषण उन्मूलन पर कार्य करता है।

FAO का संक्षिप्त विवरण:

- **FAO के मुख्य कार्य:**

1. खाद्य सुरक्षा: पूरी दुनिया में भूख और कुपोषण को खत्म करने के लिए नीतियों और योजनाओं को लागू करना।

2. कृषि विकास: सतत कृषि उत्पादन को बढ़ावा देना और खाद्य उत्पादन में सुधार।

3. जलवायु परिवर्तन: पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए योजनाएँ बनाना।

4. तकनीकी सहायता: विकासशील देशों को कृषि तकनीक, संसाधन और नीतिगत सहायता प्रदान करना।

5. आपातकालीन सहायता: प्राकृतिक आपदाओं और युद्ध के दौरान खाद्य संकट से निपटने के लिए मदद करना।

6. डेटा और रिपोर्ट: कृषि और खाद्य से संबंधित वैश्विक आँकड़ों को इकट्ठा करना और रिपोर्ट प्रकाशित करना।

नौ फसलों पर निर्भर है दुनिया

Result Mitra

FAO की महत्वपूर्ण रिपोर्ट्स-

1. The State of Food Security and Nutrition in the World (SOFI)
2. The State of the World's Forests (SOFO)
3. The State of Agricultural Commodity Markets (SOCO)
4. The State of Food and Agriculture (SOFA)
5. The State of World Fisheries and Aquaculture (SOFIA)

नौ फसलों पर निर्भर है दुनिया

Result Mitra

FAO और भारत:

- भारत FAO का संस्थापक सदस्य है।
- हरित क्रांति (Green Revolution) और सफेद क्रांति (White Revolution) में FAO की भूमिका महत्वपूर्ण रही है।
- भारत में राष्ट्रीय पोषण मिशन (POSHAN Abhiyan) और खाद्य सुरक्षा योजनाओं में FAO तकनीकी सहायता देता है।
- 2016: FAO ने भारत में बीज हब परियोजना के तहत दालों के उत्पादन को बढ़ावा दिया।
- 2021: FAO ने भारत की "International Year of Millets - 2023" पहल का समर्थन किया।

महत्वपूर्ण पहल और कार्यक्रम:

1. FAO के प्रमुख कार्यक्रम:

- Zero Hunger Initiative – दुनिया से भूख और कुपोषण खत्म करने का लक्ष्य।
- Global Agro-Ecology Initiative – जैविक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना।
- Food Waste Reduction Program – खाद्य अपशिष्ट कम करने के लिए वैश्विक पहल।

2. FAO के तहत अन्य संस्थाएं:

- Codex Alimentarius Commission (CAC) – खाद्य सुरक्षा मानक निर्धारित करता है।
- International Plant Protection Convention (IPPC) – फसलों और कृषि जैव विविधता की सुरक्षा।

FAO से संबंधित भारत सरकार की योजनाएँ:

1. राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA), 2013
2. प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (PM-KISAN)
3. राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (RKVY)
4. सतत कृषि मिशन (Mission for Sustainable Agriculture - MSA)
5. राष्ट्रीय जैविक कृषि मिशन (NMSA)

FAO – UPSC Pre & Mains के लिए शॉर्ट नोट्स

- संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन (FAO) – परिचय
- स्थापना: 16 अक्टूबर 1945
- मुख्यालय: रोम, इटली
- सदस्य देश: 195 (194 देश + यूरोपीय संघ)
- महानिदेशक: (नवीनतम अपडेट आवश्यक)

नौ फसलों पर निर्भर है दुनिया

Result Mitra

उद्देश्य:

- वैश्विक खाद्य सुरक्षा और कुपोषण उन्मूलन
- सतत कृषि एवं जलवायु परिवर्तन से निपटना
- कृषि, मत्स्य और वानिकी क्षेत्र को बढ़ावा देना

FAO के मुख्य कार्य

1. खाद्य सुरक्षा: भूख और कुपोषण खत्म करने के लिए नीतियां बनाना।
2. कृषि विकास: सतत कृषि एवं खाद्य उत्पादन बढ़ाने में सहयोग।
3. जलवायु परिवर्तन: पर्यावरण संरक्षण और अनुकूलन योजनाएं।
4. तकनीकी सहायता: विकासशील देशों को कृषि तकनीक और संसाधन उपलब्ध कराना।
5. आपातकालीन सहायता: आपदाओं व युद्ध के दौरान खाद्य संकट से निपटना।
6. डेटा एवं रिपोर्ट: वैश्विक कृषि और खाद्य से संबंधित रिपोर्ट प्रकाशित करना।

FAO की महत्वपूर्ण रिपोर्ट्स

1. SOFI – The State of Food Security and Nutrition in the World
2. SOFO – The State of the World's Forests
3. SOCO – The State of Agricultural Commodity Markets
4. SOFA – The State of Food and Agriculture
5. SOFIA – The State of World Fisheries and Aquaculture

FAO और भारत

- भारत FAO का संस्थापक सदस्य है।
- हरित क्रांति (Green Revolution) और सफेद क्रांति (White Revolution) में योगदान।
- राष्ट्रीय पोषण मिशन (POSHAN Abhiyan) और खाद्य सुरक्षा योजनाओं में सहयोग।
- 2016: बीज हब परियोजना से दाल उत्पादन में वृद्धि।
- 2021: भारत की "International Year of Millets - 2023" पहल को समर्थन।

FAO की वैश्विक पहल और कार्यक्रम

1. Zero Hunger Initiative – दुनिया से भूख खत्म करने का लक्ष्य।
2. Global Agro-Ecology Initiative – जैविक व प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना।
3. Food Waste Reduction Program – खाद्य अपशिष्ट कम करने की योजना।

FAO से जुड़ी अन्य संस्थाएं

1. Codex Alimentarius Commission (CAC) – खाद्य सुरक्षा मानकों का निर्धारण।
2. International Plant Protection Convention (IPPC) – फसलों और कृषि जैव विविधता की सुरक्षा।

FAO से संबंधित भारत सरकार की प्रमुख योजनाएँ

1. राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA), 2013
2. प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (PM-KISAN)
3. राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (RKVY)

4. सतत कृषि मिशन (MSA)
5. राष्ट्रीय जैविक कृषि मिशन (NMSA)

FAO की हालिया रिपोर्ट (2025) – वैश्विक कृषि संकट

1. ग्लोबल कृषि उत्पादन – 6,000 से अधिक फसल प्रजातियों में से सिर्फ 9 फसलें वैश्विक कृषि उत्पादन का 60% देती हैं:
   - गन्ना, मक्का, धान, गेहूं, आलू, सोयाबीन, ताड़, चुकंदर, कसावा।
2. फसलों की विविधता संकट में – वैश्विक स्तर पर 6% फसली विविधता खतरे में।
   - 18 में से आधे क्षेत्रों में 18% या अधिक जैव विविधता का नुकसान।

3. प्रभावित क्षेत्र:

- सबसे अधिक खतरा: दक्षिणी अफ्रीका, कैरिबियन, पश्चिमी एशिया।
- सबसे कम खतरा: दक्षिणी एशिया, ऑस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैंड।

भारत में स्थिति:

5 कृषि-पारिस्थितिक क्षेत्रों में 50% फसली किस्में और स्थानीय प्रजातियां संकट में।

- बीज बैंक और संरक्षण में सुधार, लेकिन अभी भी चुनौतियां बनी हुई हैं।

5. रिपोर्ट के निष्कर्ष:

- 2011-2022: 51 देशों में 3.5 करोड़ हेक्टेयर भूमि पर स्थानीय प्रजातियां बोई गईं।
- 42% पौधों की प्रजातियां या किस्में विलुप्ति के खतरे में।
- कई देशों में फसली संरक्षण के लिए राजनीतिक और वित्तीय समर्थन अपर्याप्त।

6. भारत में संरक्षण प्रयास:

- 2016 की बीज हब परियोजना से दाल उत्पादन बढ़ा।
- 2007-08: 1.48 करोड़ टन → 2020-21: 2.44 करोड़ टन।

7. जलवायु परिवर्तन का प्रभाव:

- चरम मौसमी घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे फसलों की विविधता प्रभावित हो रही है।
- आपदाओं के बाद बीजों की गुणवत्ता और अनुकूलता सुनिश्चित करना चुनौतीपूर्ण है।

नौ फसलों पर निर्भर है दुनिया

Daily Current News

Result Mitra

प्रश्न 1: खाद्य और कृषि संगठन (FAO) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:
1. FAO संयुक्त राष्ट्र (UN) की एक विशेष एजेंसी है।
2. इसका मुख्यालय रोम, इटली में स्थित है।
3. FAO का प्रमुख उद्देश्य वैश्विक खाद्य सुरक्षा और कुपोषण को दूर करना है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) 1, 2 और 3

उत्तर: (D) 1, 2 और 3
व्याख्या:
• FAO संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है जो कृषि, वानिकी, मत्स्य पालन और खाद्य सुरक्षा से संबंधित कार्यों पर ध्यान केंद्रित करती है। इसलिए कथन 1 सही है।
FAO का मुख्यालय रोम, इटली में स्थित है। इसलिए कथन 2 सही है।
• इसका उद्देश्य वैश्विक खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना और कुपोषण को समाप्त करना है।
इसलिए कथन 3 सही है।

Result Mitra
भारत में ज्वारीय ऊर्जा उत्पादन

भारत में ज्वारीय ऊर्जा उत्पादन

Daily Current News

Result Mitra

प्रश्न 1: ज्वारीय ऊर्जा के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. ज्वारीय ऊर्जा चंद्रमा और सूर्य के गुरुत्वाकर्षण बल के कारण उत्पन्न होती है।
2. यह अक्षय (Renewable) और प्रदूषण-मुक्त ऊर्जा स्रोत है।
3. वर्तमान में भारत में कोई भी व्यावसायिक ज्वारीय ऊर्जा संयंत्र (Tidal Power Plant) संचालित नहीं है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) 1, 2 और 3

भारत में ज्वारीय ऊर्जा उत्पादन

Result Mitra

भारत में ज्वारीय ऊर्जा उत्पादन –

1. वर्तमान स्थिति:

- पिछले 10 वर्षों में भारत में ज्वारीय ऊर्जा से बिजली उत्पादन नहीं हुआ।

2. सरकारी अध्ययन:

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT), चेन्नई ने क्रेडिट रेटिंग सूचना सेवा लिमिटेड (CRISIL) के साथ मिलकर दिसंबर 2014 में एक अध्ययन किया।
- रिपोर्ट का शीर्षक: "भारत में ज्वारीय और तरंग ऊर्जा: क्षमता पर सर्वेक्षण और रोडमैप का प्रस्ताव"।

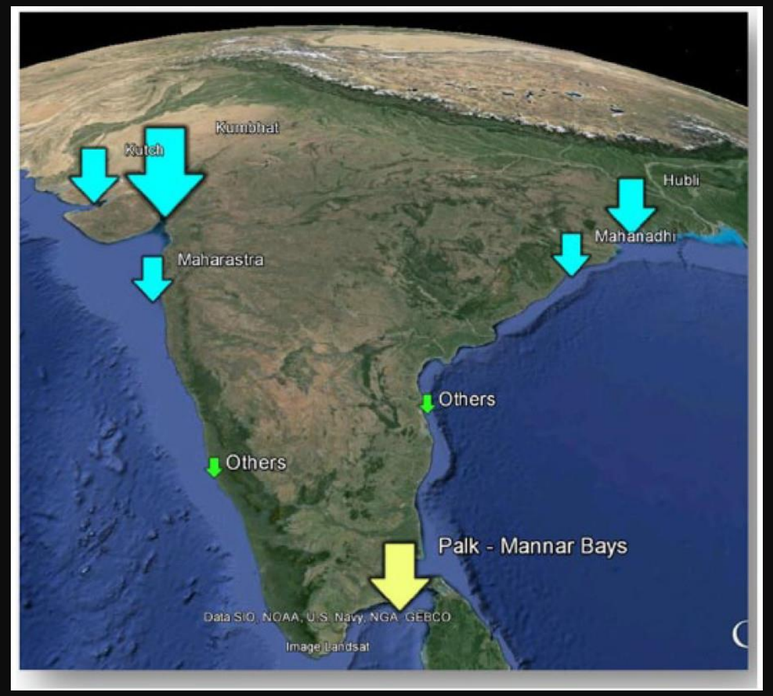

भारत में ज्वारीय ऊर्जा उत्पादन

Result Mitra

3. संभावित क्षमता:

- अध्ययन के अनुसार, भारत में ज्वारीय ऊर्जा की कुल संभावित क्षमता 12,455 मेगावाट आंकी गई।

4. सरकारी उत्तर:

- नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा व बिजली राज्य मंत्री श्रीपद येसो नाइक ने लोकसभा में यह जानकारी दी।

5. महत्व:

- ज्वारीय ऊर्जा अक्षय ऊर्जा का एक महत्वपूर्ण स्रोत हो सकता है, लेकिन अभी तक इसे व्यावसायिक रूप से विकसित नहीं किया गया है।

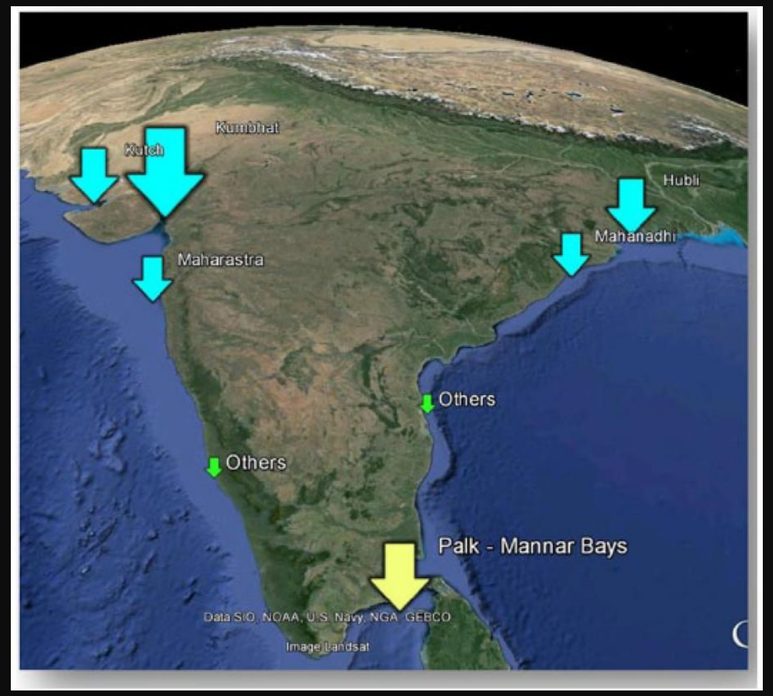

भारत में ज्वारीय ऊर्जा उत्पादन

Result Mitra

ज्वारीय ऊर्जा (Tidal Energy) और भारत में इसकी संभावनाएँ

ज्वारीय ऊर्जा क्या है?

- ज्वारीय ऊर्जा (Tidal Energy) समुद्र में ज्वार-भाटे (tides) से उत्पन्न ऊर्जा है। यह मुख्य रूप से चंद्रमा और सूर्य के गुरुत्वाकर्षण बलों के कारण समुद्र में जलस्तर के उतार-चढ़ाव से प्राप्त होती है।
- इसे अक्षय (renewable) और प्रदूषण रहित ऊर्जा स्रोत माना जाता है।

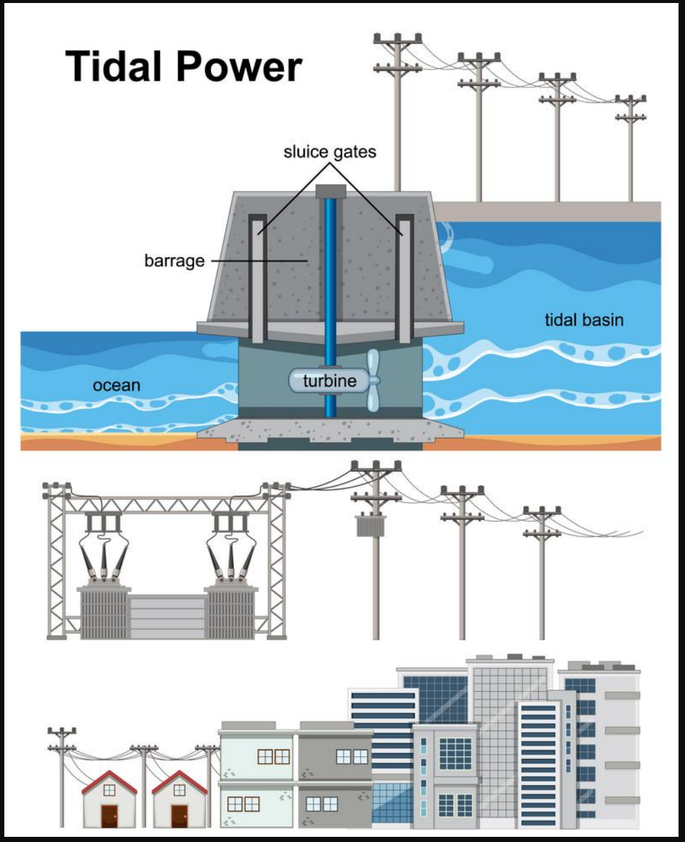

भारत में ज्वारीय ऊर्जा उत्पादन

Result Mitra

ज्वारीय ऊर्जा के प्रमुख लाभ

1. नवीकरणीय स्रोत – यह सौर और पवन ऊर्जा की तरह कभी खत्म नहीं होती।
2. पर्यावरण के अनुकूल – कोई ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन नहीं होता।
3. नियमित और विश्वसनीय – पवन और सौर ऊर्जा की तुलना में अधिक स्थिर होती है।
4. लंबी अवधि तक चलने वाली – एक बार स्थापित होने के बाद लंबे समय तक ऊर्जा उत्पन्न कर सकती है।

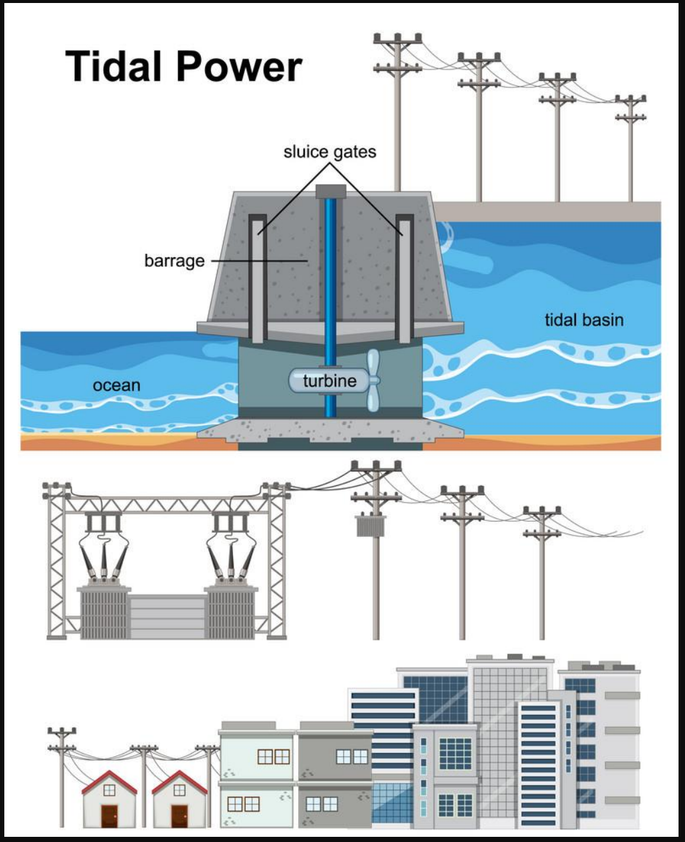

भारत में ज्वारीय ऊर्जा उत्पादन

Daily Current News

Result Mitra

भारत में ज्वारीय ऊर्जा की संभावनाएँ

भारत के पास 7,500 किमी लंबा समुद्र तट है, जिससे ज्वारीय ऊर्जा उत्पादन की अच्छी संभावनाएँ हैं।

संभावित स्थान

1. गुजरात का खंभात की खाड़ी – यहाँ ज्वार-भाटे का स्तर 6-11 मीटर तक जाता है, जो ऊर्जा उत्पादन के लिए उपयुक्त है।
2. पश्चिम बंगाल का सुंदरबन क्षेत्र और हुगली नदी – यहाँ भी उच्च ज्वार-भाटे होते हैं।
3. गुजरात का कच्छ का रण – इस क्षेत्र में भी ज्वारीय ऊर्जा उत्पादन की संभावना है।

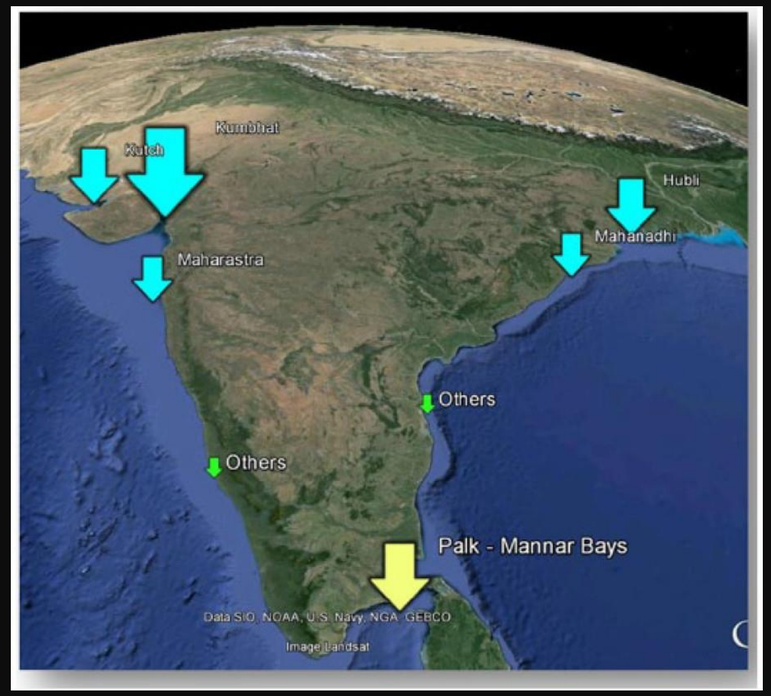

भारत में ज्वारीय ऊर्जा उत्पादन

Result Mitra

भारत में ज्वारीय ऊर्जा से जुड़े प्रयास

1. गुजरात में परियोजना: गुजरात सरकार और निजी कंपनियों ने खंभात की खाड़ी में 50 मेगावाट की ज्वारीय ऊर्जा परियोजना की योजना बनाई थी।

2. राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा मिशन: भारत सरकार नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए योजनाएँ बना रही है, जिसमें ज्वारीय ऊर्जा भी शामिल है।

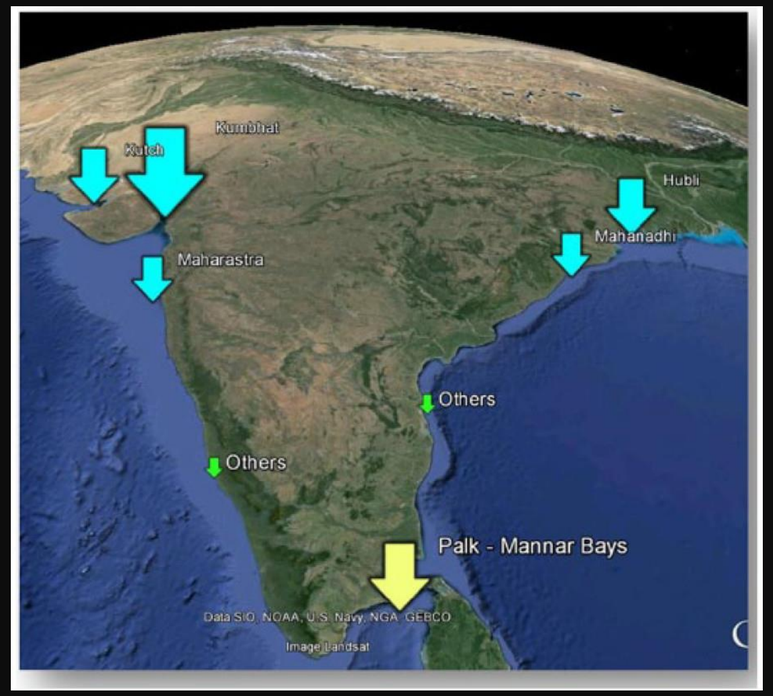

भारत में ज्वारीय ऊर्जा उत्पादन

Daily Current News

Result Mitra

भारत में ज्वारीय ऊर्जा से जुड़ी चुनौतियाँ

1. उच्च लागत – ज्वारीय ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना की लागत अधिक होती है।
2. तकनीकी चुनौतियाँ – समुद्र में जंग (corrosion) और खराब मौसम जैसी समस्याएँ आती हैं।
3. पर्यावरणीय प्रभाव – समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र पर संभावित प्रभाव हो सकता है।
4. सीमित अनुसंधान और विकास – भारत में अभी इस क्षेत्र में पर्याप्त शोध और निवेश नहीं हुआ है।

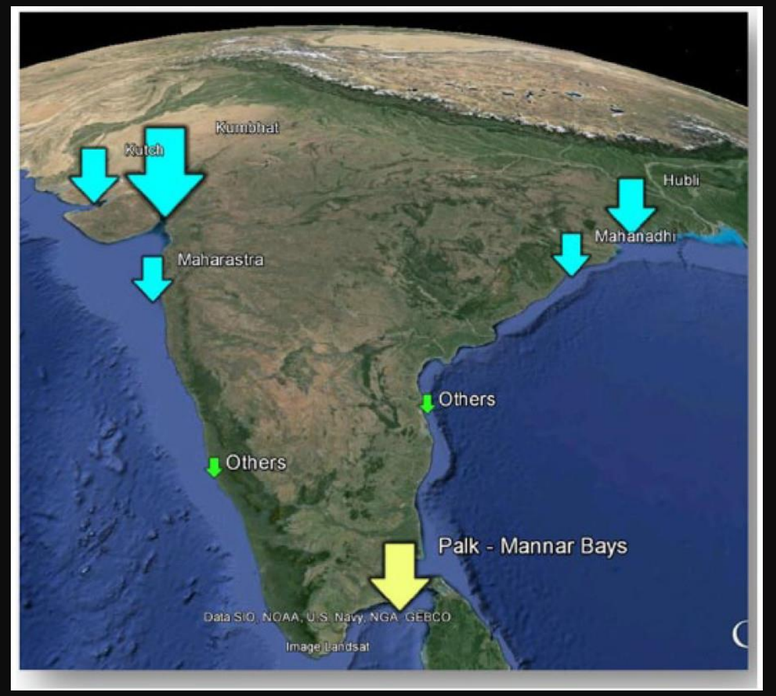

भारत में ज्वारीय ऊर्जा उत्पादन

Daily Current News

Result Mitra

भारत में ज्वारीय ऊर्जा – संक्षिप्त नोट्स

1. वर्तमान स्थिति

- पिछले 10 वर्षों में भारत में ज्वारीय ऊर्जा से बिजली उत्पादन नहीं हुआ।

2. सरकारी अध्ययन

- रिपोर्ट: "भारत में ज्वारीय और तरंग ऊर्जा: क्षमता पर सर्वेक्षण और रोडमैप का प्रस्ताव" (IIT चेन्नई और CRISIL, 2014)।

3. संभावित क्षमता

- भारत में 12,455 मेगावाट ज्वारीय ऊर्जा उत्पादन की संभावना।

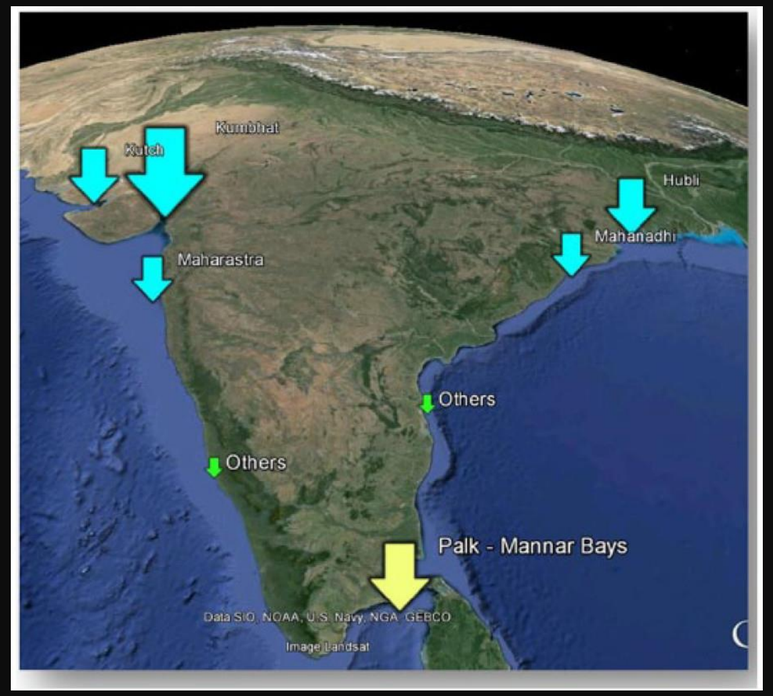

भारत में ज्वारीय ऊर्जा उत्पादन

Result Mitra

4. संभावित स्थान

- गुजरात: खंभात की खाड़ी, कच्छ का रण।
- पश्चिम बंगाल: सुंदरबन, हुगली नदी।

5. ज्वारीय ऊर्जा के लाभ

- नवीकरणीय स्रोत – कभी खत्म नहीं होती।
- पर्यावरण अनुकूल – ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन नहीं।
- नियमित और विश्वसनीय – सौर और पवन ऊर्जा से अधिक स्थिर।
- लंबी अवधि तक चलने वाली – एक बार स्थापित होने के बाद निरंतर ऊर्जा उत्पादन।

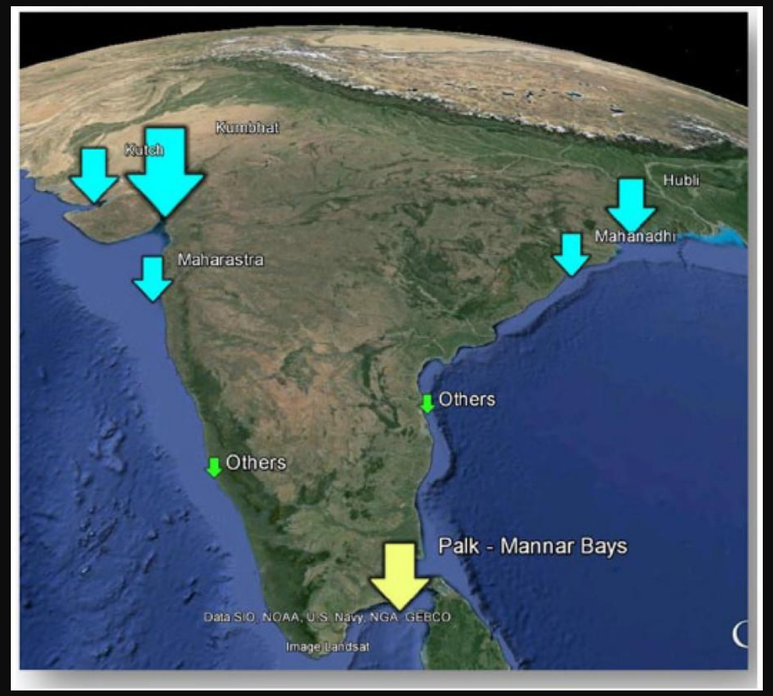

6. चुनौतियाँ

- उच्च लागत – संयंत्र स्थापना महंगी।
- तकनीकी बाधाएँ – जंग (corrosion), खराब मौसम।
- पर्यावरणीय प्रभाव – समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रभाव।
- सीमित शोध और निवेश – अभी तक व्यावसायिक रूप से विकसित नहीं।

7. सरकारी प्रयास

- गुजरात में 50 मेगावाट परियोजना (खंभात की खाड़ी)।
- राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा मिशन – सरकार ज्वारीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के प्रयास में।

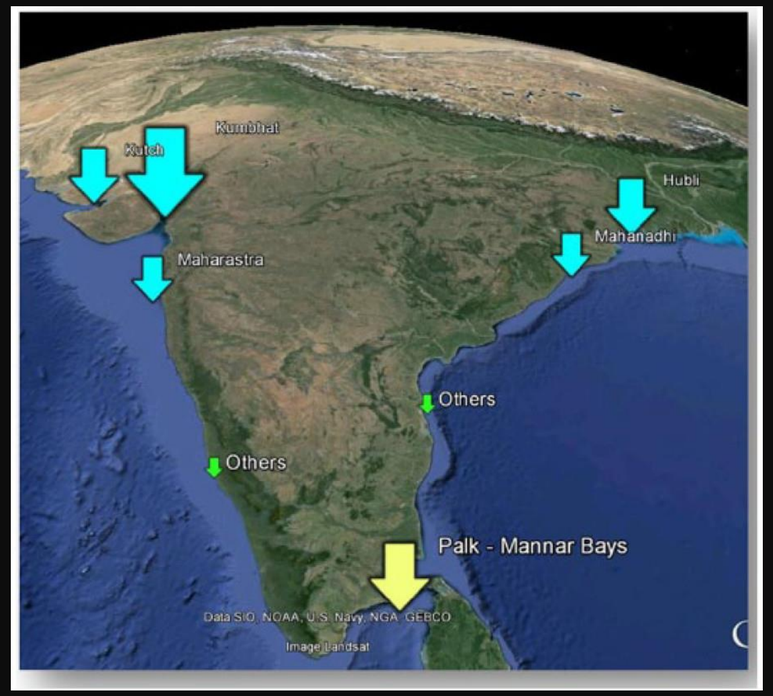

भारत में ज्वारीय ऊर्जा उत्पादन

Daily Current News

Result Mitra

प्रश्न 1: ज्वारीय ऊर्जा के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. ज्वारीय ऊर्जा चंद्रमा और सूर्य के गुरुत्वाकर्षण बल के कारण उत्पन्न होती है।
2. यह अक्षय (Renewable) और प्रदूषण-मुक्त ऊर्जा स्रोत है।
3. वर्तमान में भारत में कोई भी व्यावसायिक ज्वारीय ऊर्जा संयंत्र (Tidal Power Plant) संचालित नहीं है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) 1, 2 और 3

भारत में ज्वारीय ऊर्जा उत्पादन

Result Mitra

उत्तर: (D) 1, 2 और 3
व्याख्या:
• ज्वारीय ऊर्जा चंद्रमा और सूर्य के गुरुत्वाकर्षण बल के कारण उत्पन्न होती है।
इसलिए कथन 1 सही है।
यह अक्षय और प्रदूषण मुक्त ऊर्जा स्रोत है। इसलिए कथन 2 सही है।
• भारत में वर्तमान में कोई व्यावसायिक ज्वारीय ऊर्जा संयंत्र संचालित नहीं है, हालांकि गुजरात और पश्चिम बंगाल में प्रस्तावित परियोजनाएं हैं। इसलिए कथन 3 भी सही है।

इमिग्रेशन और फॉरेनर्स बिल 2025

इमिग्रेशन और फॉरेनर्स बिल 2025

Daily Current News

Result Mitra

प्रश्न 1: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. इमिग्रेशन और फॉरेनर्स बिल, 2025, भारत के मौजूदा चार पुराने कानूनों को प्रतिस्थापित करता है।
2. यह बिल पहली बार विदेशी नागरिकों के भारत में प्रवेश और उनके पंजीकरण के लिए कानूनी ढांचा प्रदान करता है।
3. इस बिल के तहत, शिक्षण और चिकित्सा संस्थानों को विदेशी नागरिकों का रिकॉर्ड बनाए रखने की बाध्यता होगी।

उपर्युक्त में से कौन सा कथन सही है?

A) केवल 1 और 2
B) केवल 1 और 3
C) केवल 2 और 3
D) 1, 2 और 3

इमिग्रेशन और फॉरेनर्स बिल 2025

Daily Current News

Result Mitra

- भारत सरकार ने इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स बिल 2025 को लोकसभा में पेश किया है, जिसका उद्देश्य देश के आप्रवासन (Immigration) कानूनों को आधुनिक बनाना और अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों पर कड़ी कार्रवाई करना है।

मुख्य प्रावधान:

1. अवैध रूप से भारत में रहने वालों पर सख्ती – बिना वैध दस्तावेजों के रहने वाले विदेशी नागरिकों पर कानूनी कार्रवाई होगी।

2. नए कानून से पुराने 4 कानून समाप्त होंगे:

- फॉरेनर्स एक्ट, 1946
- पासपोर्ट (एंट्री इन इंडिया) एक्ट, 1920
- रजिस्ट्रेशन ऑफ फॉरेनर्स एक्ट, 1939
- इमिग्रेशन एक्ट, 2000 【12】

3. सजा और जुर्माना –

- फर्जी दस्तावेजों से एंट्री पर 5 साल की जेल या 5 लाख रुपये तक का जुर्माना।
- वीजा अवधि खत्म होने के बावजूद रुके रहने पर दंडनीय कार्रवाई होगी। 【12】

4. राष्ट्रीय सुरक्षा को प्राथमिकता – ऐसे विदेशी नागरिकों को प्रवेश नहीं मिलेगा जिनसे भारत के अंतरराष्ट्रीय संबंध खराब होने की आशंका हो।

5. प्रवासन प्रक्रिया का डिजिटलीकरण – वीजा और प्रवासन से जुड़े सभी कार्य ऑनलाइन किए जाएंगे, जिससे प्रक्रिया पारदर्शी बनेगी। 【11】

बिल की आवश्यकता क्यों?

- भारत में अवैध रूप से प्रवेश करने वाले विदेशियों और वीजा समाप्ति के बाद भी देश में रहने वालों की संख्या बढ़ रही थी।
- इस बिल का उद्देश्य देश की सुरक्षा को मजबूत करना और प्रवासन को सुव्यवस्थित करना।

इमिग्रेशन और फॉरेनर्स बिल 2025

Daily Current News

Result Mitra

प्रश्न 1: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. इमिग्रेशन और फॉरेनर्स बिल, 2025, भारत के मौजूदा चार पुराने कानूनों को प्रतिस्थापित करता है।
2. यह बिल पहली बार विदेशी नागरिकों के भारत में प्रवेश और उनके पंजीकरण के लिए कानूनी ढांचा प्रदान करता है।
3. इस बिल के तहत, शिक्षण और चिकित्सा संस्थानों को विदेशी नागरिकों का रिकॉर्ड बनाए रखने की बाध्यता होगी।

उपर्युक्त में से कौन सा कथन सही है?

A) केवल 1 और 2
B) केवल 1 और 3
C) केवल 2 और 3
D) 1, 2 और 3

उत्तर: B) केवल 1 और 3
व्याख्या:
• यह बिल Passport (Entry into India) Act, 1920, Registration of Foreigners Act, 1939, Foreigners Act, 1946, और Immigration (Carriers' Liability) Act, 2000 को प्रतिस्थापित करता है
हालांकि, यह पहली बार विदेशी नागरिकों के प्रवेश और पंजीकरण के लिए कानून नहीं बना रहा है; पहले से ही 1920 और 1939 के कानून इस पर लागू हैं।
• यह बिल शिक्षण और चिकित्सा संस्थानों को विदेशी नागरिकों का रिकॉर्ड बनाए रखने के लिए बाध्य करता है।

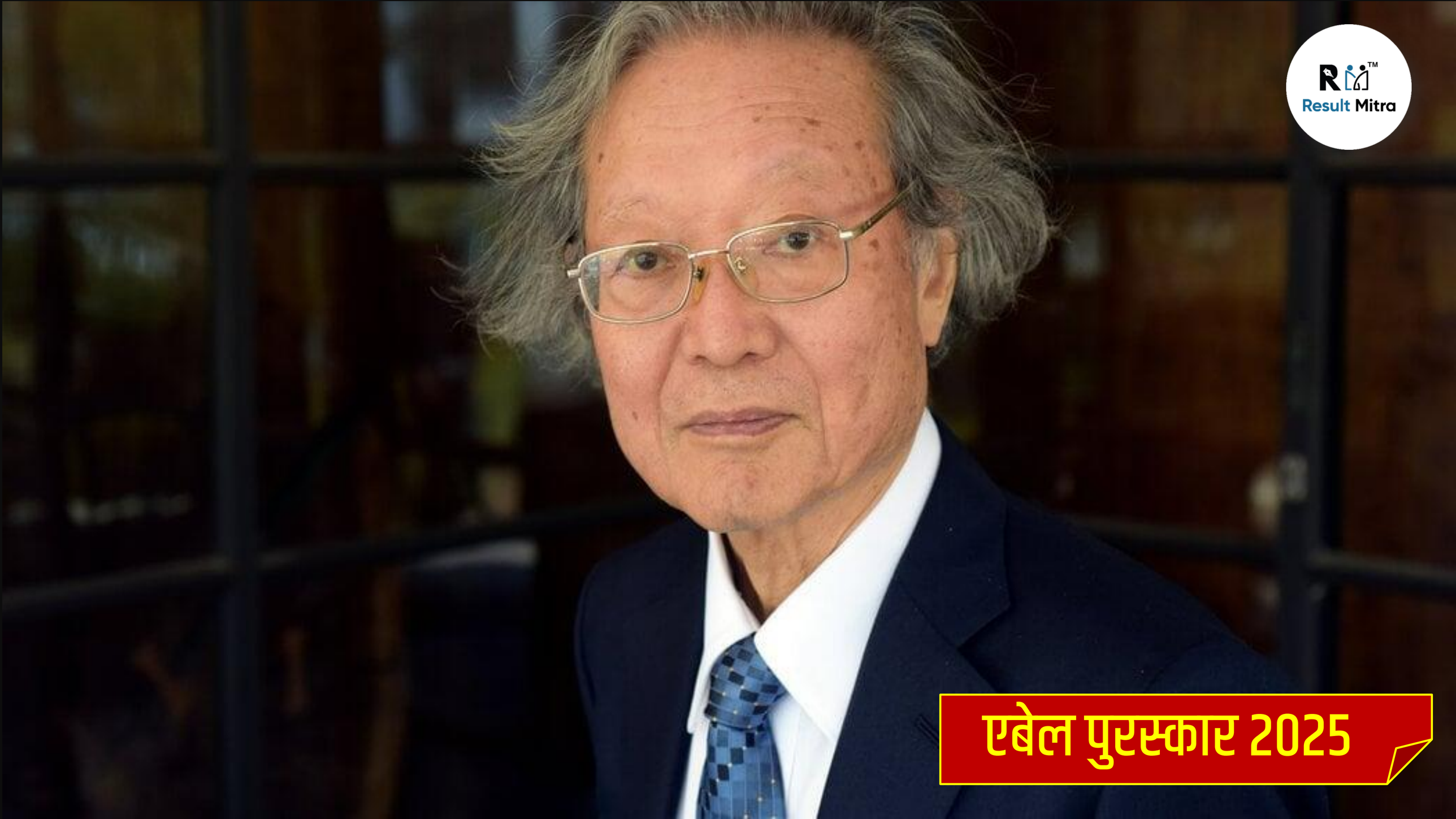

Result Mitra

एबेल पुरस्कार 2025

एबेल पुरस्कार 2025

Daily Current News

Result Mitra

प्रश्न 1: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:
1. एबेल पुरस्कार गणित के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है।
2. इसे नॉर्वे की सरकार द्वारा प्रदान किया जाता है।
3. यह पुरस्कार केवल जीवित गणितज्ञों को दिया जाता है।
सही उत्तर का चयन करें:
A) केवल 1 और 2
B) केवल 2 और 3
C) केवल 1 और 3
D) 1, 2 और 3

मसाकी काशीवारा को एबेल पुरस्कार 2025

- विजेता: जापानी गणितज्ञ मसाकी काशीवारा (78 वर्ष)।
- क्षेत्र: बीजगणितीय विश्लेषण, रिप्रजेंटेशन थ्योरी, डी-मॉड्यूल्स और क्रिस्टल बेसिस में उत्कृष्ट योगदान।
- महत्व: एबेल पुरस्कार को "गणित का नोबेल" कहा जाता है।

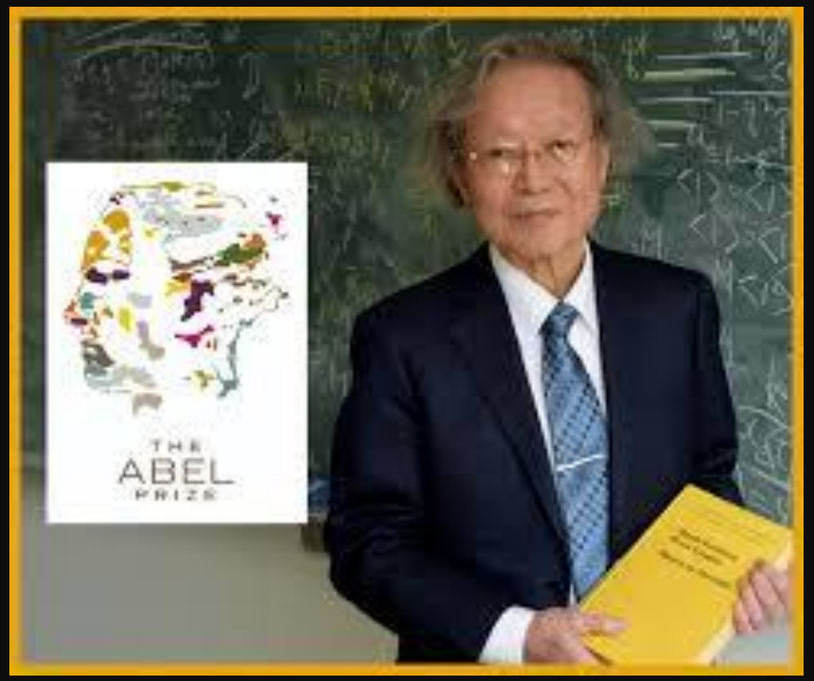

एबेल पुरस्कार 2025

Daily Current News

Result Mitra

एबेल पुरस्कार के बारे में

1. स्थापना: नॉर्वे सरकार द्वारा 2002 में।
2. प्रबंधन: नॉर्वेजियन एकेडमी ऑफ साइंस एंड लेटर्स।
3. प्रथम विजेता: जीन-पियरे सेरे (2003)।
4. नामकरण: नॉर्वेजियन गणितज्ञ नील्स हेनरिक एबेल (1802-1829) के नाम पर।

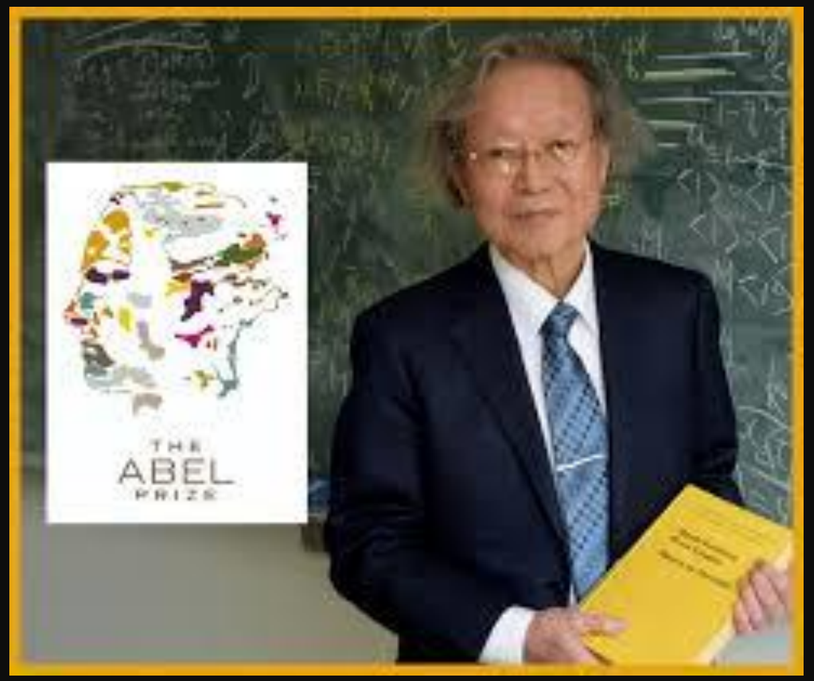

5. योगदान:

- पंचम समीकरण को मूलांकों से हल करने की असंभवता सिद्ध की।
- दीर्घवृत्तीय फलनों (Abelian functions) के अध्ययन में अग्रणी भूमिका।

पुरस्कार राशि

- 7.5 मिलियन नॉर्वेजियन क्रोनर (लगभग 720,000 डॉलर)।
- एक कांच की पट्टिका प्रदान की जाती है।

अन्य जानकारी

- यूनेस्को और अंतर्राष्ट्रीय गणितीय संघ ने वर्ष 2000 को विश्व गणितीय वर्ष घोषित किया था।

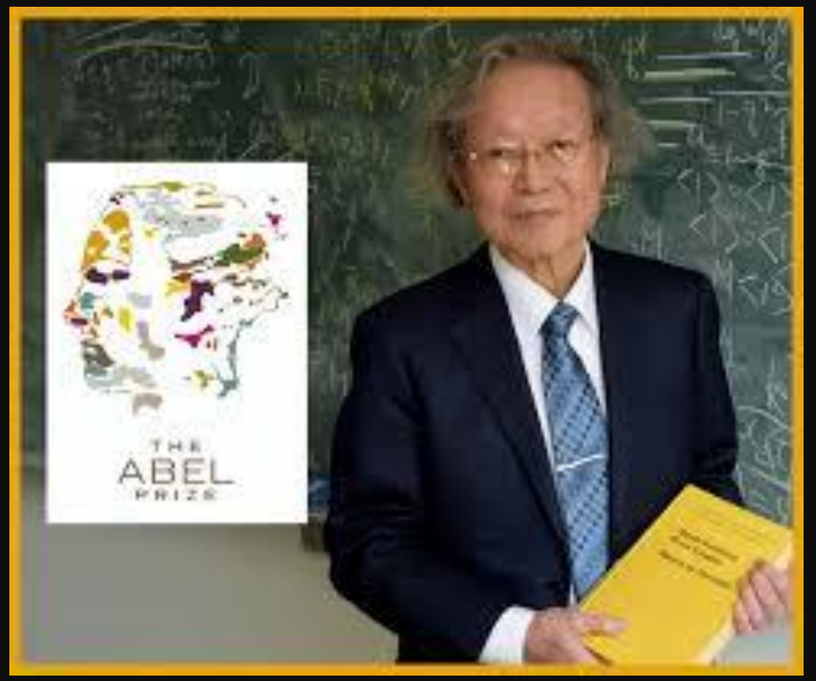

एबेल पुरस्कार 2025

Daily Current News

Result Mitra

प्रश्न 1: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:
1. एबेल पुरस्कार गणित के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है।
2. इसे नॉर्वे की सरकार द्वारा प्रदान किया जाता है।
3. यह पुरस्कार केवल जीवित गणितज्ञों को दिया जाता है।
सही उत्तर का चयन करें:
A) केवल 1 और 2
B) केवल 2 और 3
C) केवल 1 और 3
D) 1, 2 और 3

उत्तर: D) 1, 2 और 3

व्याख्या:

• एबेल पुरस्कार गणित के क्षेत्र में दिए जाने वाले सर्वोच्च पुरस्कारों में से एक है, इसलिए कथन 1 सही है।

• यह नॉर्वेजियन सरकार द्वारा दिया जाता है और नॉर्वेजियन एकेडमी ऑफ साइंस एंड लेटर्स द्वारा प्रशासित किया जाता है, इसलिए कथन 2 सही है।

• इसे केवल जीवित गणितज्ञों को प्रदान किया जाता है, मरणोपरांत (मरणोपरांत सम्मान) नहीं दिया जाता है, इसलिए कथन 3 भी सही है।

Result Mitra
जेलों में जाति के अनुसार काम देना

जेलों में जाति के अनुसार काम देना

Daily Current News

Result Mitra

प्रश्न 1: भारत में जेल प्रशासन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:
1. जेल प्रशासन भारतीय संविधान की समवर्ती सूची (Concurrent List) में आता है।
2. राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) जेलों से संबंधित आंकड़े प्रकाशित करता है।
3. भारतीय जेलों के लिए "मिनिमम स्टैंडर्ड रुल्स" (Minimum Standard Rules) का निर्धारण राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) द्वारा किया जाता है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) 1, 2 और 3

जेलों में जाति के अनुसार काम देना अनुच्छेद 15 का उलंघन

चर्चा में क्यों :-

- पत्रकार सुकन्या शांता ने एक जनहित याचिका सर्वोच्च न्यायालय में दाखिल की ।
- जिसमे उन्होंने बताया कि जेलों में जाति के आधार पर काम का आवंटन किया जा रहा है।
- तथा जेल मैनुअल के कई प्रावधानों को संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 17 और 23 के विरुद्ध बताया ।

जेलों में जाति के अनुसार काम देना

Daily Current News

Result Mitra

- सर्वोच्च न्यायालय ने जेलों में जाति आधारित भेदभाव को असंवैधानिक करार दिया और साथ ही इसे समाप्त करने का आदेश भी दिया।
- सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि जेल नियमावली में बदलाव करें।
- सर्वोच्च न्यायालय ने अपने निर्णय में कहा कि जाति के आधार पर जेलों में काम के बंटवारे की अनुमति नहीं दी जा सकती है।
- यह संविधान का उल्लंघन है।

जेलों में जाति के अनुसार काम देना

Daily Current News

Result Mitra

- सर्वोच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका लगाई गई थी जिसमे जाति-आधारित भेदभाव को रोकने की मांग की गई थी।
- **इसी पर सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि :–** जेल मैनुअल निचली जाति को सफाई और झाड़ू लगाने का काम और उच्च जाति को खाना पकाने का काम देकर सीधे भेदभाव करता है।
- **अदालत ने कहा :·** यह अनुच्छेद-15 का उल्लंघन है।
- इस तरह की प्रथाओं से जेलों में श्रम का अनुचित विभाजन होता है। जाति के आधार पर काम के बंटवारे की अनुमति नहीं दी जा सकती।

जेलों में जाति के अनुसार काम देना

Daily Current News

Result Mitra

- अनुच्छेद-15 (1) "राज्य किसी नागरिक के विरुद्ध केवल धर्म, मूल वंश, जाति, लिंग, जन्म-स्थान अथवा इनमें से किसी के आधार पर कोई विभेद नहीं करेगा ।
- “यह अनुच्छेद, समानता के अनुच्छेद 14 के सिद्धांत को लागू करता है. अनुच्छेद 15 के तहत, किसी भी व्यक्ति के साथ राज्य या किसी समूह द्वारा किसी भी सार्वजनिक स्थान या नीति तक पहुंचने में धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता.

जेलों में जाति के अनुसार काम देना

Daily Current News

Result Mitra

- अनुच्छेद 15 के तहत, कुओं, तालाबों, स्नानघाटों, सड़कों, और सार्वजनिक समागम स्थलों का इस्तेमाल करने में भी किसी तरह का भेदभाव नहीं किया जा सकता. अनुच्छेद 15 के तहत, राज्य को महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष प्रावधान करने की अनुमति है. अनुच्छेद 15 के तहत, पूर्वाग्रह के आधार पर भेदभाव को प्रतिबंधित किया जाता है.
- अनुच्छेद 15, न्यायिक निर्णयों, सार्वजनिक बहस, और सकारात्मक कार्रवाई, आरक्षण, और कोटा से जुड़े कानूनों में अहम मुद्दा है.

जेलों में जाति के अनुसार काम देना

Daily Current News

Result Mitra

सर्वोच्च न्यायालय ने अगले तीन महीने में जेल मैनुअल से मॉडल जेल मैनुअल-

- 2016 और मॉडल जेल एवं सुधार सेवा अधिनियम-2023 में जाति आधारित भेदभाव को खत्म करने के लिए संशोधन करने का आदेश दिया।सर्वोच्च न्यायालय ने निर्देश दिया कि आगामी तीन सप्ताह में निर्णय की प्रति सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को भेजी जाए।

- **साथ ही कोर्ट ने कहा कि :·** मॉडल जेल मैनुअल 2016 के तहत गठित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और विजिटर्स बोर्ड संयुक्त रूप से जेलों का नियमित निरीक्षण करे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जाति आधारित भेदभाव खत्म हुआ है या नहीं।

जेलों में जाति के अनुसार काम देना

Daily Current News

Result Mitra

- भारत में जेल व्यवस्था (Prison System) भारतीय संविधान, जेल अधिनियम और राज्य सरकारों के नियमों के अधीन संचालित होती है।

1. भारत में जेलों का प्रशासन-

- संविधान के अनुसार: जेल और कारावास राज्य सूची (State List) के अंतर्गत आते हैं, इसलिए राज्य सरकारें इनका संचालन और प्रशासन करती हैं।

जेलों में जाति के अनुसार काम देना

Daily Current News

Result Mitra

महत्वपूर्ण कानून:

- जेल अधिनियम, 1894 – भारत में जेल प्रशासन के लिए पहला औपचारिक कानून।
- प्रिजन मैन्युअल – राज्य सरकारों द्वारा तैयार दिशा-निर्देश।
- कैदी अधिनियम, 1920 – कैदियों के हस्तांतरण के प्रावधान।
- भारतीय दंड संहिता (IPC) और दंड प्रक्रिया संहिता (CrPC) – जेलों में अपराधियों के अधिकार और दंड।

भारत में जेलों के प्रकार

1. केन्द्रीय जेल (Central Jail) – दीर्घकालिक सजा (2 साल से अधिक) वाले कैदियों के लिए।
2. जिला जेल (District Jail) – जिला स्तर पर छोटी अवधि की सजा वाले कैदियों के लिए।
3. उप-जेल (Sub Jail) – छोटे कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित।
4. खुली जेल (Open Jail) – अच्छे व्यवहार वाले कैदियों को पुनर्वास के लिए।
5. महिला जेल (Women Prison) – महिला कैदियों के लिए।
6. बच्चों और किशोरों के सुधार गृह (Juvenile Homes) – 18 वर्ष से कम उम्र के अपराधियों के लिए।

3. भारत में जेल सुधार और चुनौतियाँ

- मुख्य चुनौतियाँ:अधिक भीड़ (Overcrowding): जेलों की क्षमता से अधिक कैदी।
- ट्रायल में देरी: बड़ी संख्या में विचाराधीन कैदी (Undertrial Prisoners)।
- अपर्याप्त स्वास्थ्य सेवाएँ।मानवाधिकारों का उल्लंघन।कैदियों के पुनर्वास की कमी।

जेलों में जाति के अनुसार काम देना

Result Mitra

- सुधार के प्रयास: मंत्रालयों द्वारा नई जेल नीति।
- न्यायालय के निर्देश: सुप्रीम कोर्ट द्वारा मानवाधिकारों की सुरक्षा के लिए आदेश।
- नालसा (NALSA) की भूमिका: गरीब कैदियों को कानूनी सहायता।
- खुली जेलों को बढ़ावा।
- ई-प्रिजन प्रणाली: जेलों के डिजिटलीकरण के लिए।

4. प्रमुख डेटा और रिपोर्ट्स-

- राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) की रिपोर्ट (2022-23):
- भारत में 1,400+ जेलें।4.5 लाख से अधिक कैदी, जिनमें से 70% विचाराधीन (Undertrials) हैं।
- जेलों की औसत भीड़ दर 130% से अधिक।

जेलों में जाति के अनुसार काम देना

Daily Current News

Result Mitra

प्रश्न 1: भारत में जेल प्रशासन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:
1. जेल प्रशासन भारतीय संविधान की समवर्ती सूची (Concurrent List) में आता है।
2. राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) जेलों से संबंधित आंकड़े प्रकाशित करता है।
3. भारतीय जेलों के लिए "मिनिमम स्टैंडर्ड रुल्स" (Minimum Standard Rules) का निर्धारण राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) द्वारा किया जाता है।
ऊपर दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) 1, 2 और 3

उत्तर: (A) केवल 1 और 2

व्याख्या:

• जेल प्रशासन राज्य सूची (State List) का विषय है, न कि समवर्ती सूची का। इसलिए कथन 1 गलत है।

• NCRB हर साल "Prison Statistics India" रिपोर्ट प्रकाशित करता है। इसलिए कथन 2 सही है।

• "मिनिमम स्टैंडर्ड रुल्स" का निर्धारण संयुक्त राष्ट्र (UN) द्वारा नेल्सन मंडेला रुल्स के तहत किया जाता है, न कि NHRC द्वारा। इसलिए कथन 3 गलत है।

Thank
you